मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 247 ■ सोमवार 29 दिसंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe

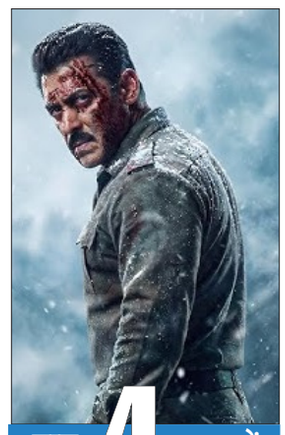

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सलमान खान के बर्थडे पर फैंस को तोहफा

आज कई दिग्गज दाखिल करेंगे उम्मीदवारी

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव
कल नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख

- उल्हासनगर मनपा चुनाव में महायुति पर प्रश्नचिन्ह कायम
- शिवसेना, टीओके व साई पक्ष का सीट बंटवारा तय
- भाजपा सभी 78 सीटों पर चुनाव लड़ेगी- वधरिया
- भावी नगरसेवकों को मिलेगा बड़ा धोखा

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के 15 जनवरी 2026 को होने जा रहे चुनाव हेतु शिवसेना-भाजपा युति पर विराम लगता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ भाजपा द्वारा चुनाव गठबंधन हेतु दोनों पक्षों के नामों की समन्वय समिति बनाई जाती है तो उसी समिति में शामिल शिवसेना नेता उसे नकार रहे हैं। युति की कोशिशें केवल भाजपा की तरफ से हो रही है। शिवसेना अपने दोस्ती के गठबंधन टीओके व साई पक्ष के साथ ही चुनाव लड़ने के मूड में है। शिवसेना नेता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि शिवसेना, टीओके व साई पक्ष के बीच सीट का बंटवारा तय हो चुका है। भाजपा की ओर से हमने औपचारिक युति की बैठक नहीं की है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया ने भी कहा है कि हमने 78 सीटों के लिए तैयारी कर ली है अगर वरिष्ठ नेता आदेश देंगे तो युति के तहत चुनाव लड़ेंगे।

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि आज और कल 30 दिसंबर 2025 है। ऐसे में इन दिनों में सभी उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। करीब 1500 से अधिक फॉर्म उम्मीदवारों ने खरीदे हैं और केवल तीन उम्मीदवारों ने फॉर्म भरे हैं। ऐसी खबर मिली है कि आज टीओके, शिवसेना व साई पक्ष द्वारा फॉर्म भरे जाएंगे और तीनों पक्षों के उम्मीदवारों की सूची भी सामने आ जाएगी। वहीं भाजपा व राकांपा की उम्मीदवारी अंतिम दिन पर नजर आ सकती है। सभी उम्मीदवार फॉर्म भरकर रुके हुए हैं सभी को राजकीय पक्ष के ए-बी फार्म का इंतजार है ताकि वो आज और कल में अपनी उम्मीदवारी भर सके। भावी नगरसेवकों को इन दो दिनों में बड़ा धोखा मिलने की उम्मीद है क्योंकि जो लॉलीपॉप पिछले कई वर्षों से उन्हें दिया जा रहा था उसका परिणाम आज सामने आ जाएगा।

टीओके का चिन्ह

महायुति के आसार नहीं होने से अब यह साफ लग रहा है कि टीओके शिवसेना के चिन्ह पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि टीओके ने राकांपा शरद पवार के चिन्ह हेतु भी तैयारी कर रखी है। साई पक्ष अपने ही चिन्ह टीवी पर चुनाव लड़ेगी अथवा शिवसेना के चिन्ह पर यह आज फॉर्म भरने के दौरान ही पता चल जाएगा।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 10 में युवाओं को चांस

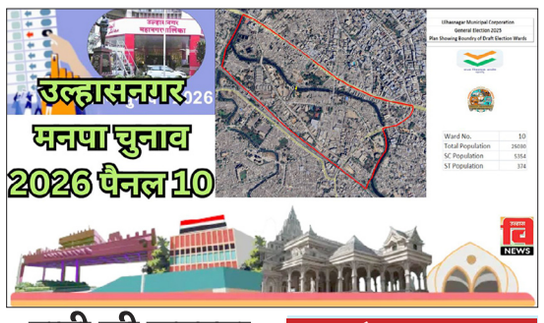

■ पानी की समस्या बरकरार

पैनल 10	
कुल मतदाता	21,755
पुरुष मतदाता	11,785
महिला मतदाता	10,028

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-3 स्थित इस पैनल में तीन वार्डों का समावेश है जिसमें गोपाल समाज मंडल के पास बौद्ध नगर, विट्ठलवाड़ी, शास्त्री नगर, अंब्रोसिया होटल, शांतिनगर, जंगी कंपाउड, साई बाबा मंदिर के पास, शक्ति कंपाउंड, सातारा कालोनी, दगी बंगला, काजल पेट्रोल पम्प, पंचशील नगर, शहीद भगतसिंग नगर, पवाई चौक, साईबाबा नगर, हिराघाट परिसर, प्लाजा टॉवर, समर्पण अपार्टमेंट का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ- पुष्पा बागुल - शिवसेना, ब - राजश्री चौधरी - शिवसेना, क - शुभांगी बेहनवाल - शिवसेना ड - राजेंद्र चौधरी - शिवसेना के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर शिवसेना का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां एससी, ओबीसी महिला, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी व मराठी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां पर पूर्व नगरसेवक व शिवसेना नेता राजेंद्र चौधरी का वर्चस्व है। यहां पूर्व नगरसेविका शुभांगी बेहनवाल ने भाजपा में प्रवेश कर सेना का गणित बिगाड़ दिया है। यहां पर कई युवा नेता अपनी किस्मत आजमा सकते हैं।

इस पैनल में कई समस्याएं है जिस कारण निवारण नहीं हुआ है। यहां विट्ठलवाड़ी स्टेशन परिसर में रिक्शा स्टैंड की समस्या है। शांतिनगर श्मशान भूमि परिसर में पानी व सफाई की गंभीर समस्याएं हैं।

चुनाव के खर्चों पर नज़र रखने की ट्रेनिंग

उल्हासनगर. 15 जनवरी, 2026 को होने वाले उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनावों में होने वाले खर्चों पर नज़र रखने के लिए संबंधित टीमों को ट्रेनिंग दी गई। अकाउंट्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों की गाइडेंस में हुई इस ट्रेनिंग में 6 टीमों ने हिस्सा लिया। स्टेट इलेक्शन कमीशन की गाइडलाइंस और कमिश्नर मनीषा आव्हाले, एक्सपेंडिचर कंट्रोल सेल की नोडल ऑफिसर और चीफ अकाउंट्स ऑफिसर किरण भिलारे के निर्देशों के मुताबिक, ऑडिटर जनरल अभिजीत पिसल ने चुनाव ड्यूटी पर लगी सभी टीमों को उम्मीदवारों के चुनाव खर्चों पर नज़र रखने की ट्रेनिंग दी।

यह प्रोग्राम 26 दिसंबर को जनरल अरुणकुमार वैद्य टाउन हॉल में हुआ। इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर स्नेहा करपे, डिप्टी कमिश्नर दीपाली चौगले, एक्सपेंडिचर टीम हेड विलास नागदिवे, संजय वैदांडे, विजय कोर्डे, अविनाश विशेष और स्टोर्स डिपार्टमेंट हेड अंकुश कदम मौजूद थे।

ट्रेनिंग में चुनाव के लिए तैनात खर्च टीम, फ्लाइंग टीम, स्टेशनरी सर्वे टीम, वीडियो सर्वे टीम, वीडियो देखने वाली टीम और पुलिस के सभी कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। चीफ अकाउंट्स ऑफिसर किरण भिलारे ने अपने खास अंदाज में टीमों को आम दिक्कतों और उनके हल के बारे में गाइड किया। इस दौरान, ऑडिटर जनरल अभिजीत पिसल ने राज्य चुनाव आयोग के खर्च के नियमों के बारे में जानकारी दी।

उम्मीदवारों के खर्च पर नजर

उम्मीदवारों के लिए 9 लाख रुपये खर्च करने का नियम है। नॉमिनेशन पेपर 30 दिसंबर तक जमा करने होंगे। 31 तारीख को स्क्रूटनी होगी और नॉमिनेशन पेपर वापस लेने की आखिरी तारीख 2 जनवरी, 2026 है। चीफ अकाउंट्स ऑफिसर किरण भिलारे ने बताया कि एप्लीकेशन वापस लेने की तारीख के बाद, चुनाव मैदान में रहने वाले मान्यता प्राप्त पार्टी और इंडिपेंडेंट उम्मीदवारों को अपने रोज़ के खर्च जमा करना ज़रूरी है और कमिश्नर मनीषा अव्हाले के आदेश के मुताबिक टीमें इस पर नज़र रखेंगी।

वालेकर की हार पर शिवसेना करेगी आत्म परीक्षण -सांसद शिंदे

क्या अंबरनाथ शिवसेना में बदलाव होने वाला है?

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा चुनाव में शिवसेना की नगराध्यक्ष की उम्मीदवार मनिषा वालेकर की हार के बाद डोंबिवली में सांसद शिंदे ने कहा है कि हमको इस हार का आत्मपरीक्षन करना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि शिवसेना का नगराध्यक्ष चुनकर नहीं आया लेकिन शिवसेना को 63 हजार वोट मिले. हमारे 27 नगरसेवक चुनकर आए हैं. हमें सबसे ज्यादा वोट मिले हैं. कुछ बातों में हम कम पड़े गए. इसका हमें आत्मपरीक्षण करना पड़ेगा और आगे जाना होगा. इस गलती की हमें दुरुस्ती करनी पड़ेगी. डोंबिवली में सांसद शिंदे ने विजय निर्धार सभा में अपनी भावना को व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि आगे ऐसी गलती ना हो. इसकी हमें दक्षता लेना पड़ेगा. ये आत्म परीक्षण क्या होने वाला है. उनकी इस बात पर अंबरनाथवासियों, शिवसैनिकों की नजर लगी हुई है. क्या शहर शिवसेना में भारी बदलाव किया जाएगा या फिर शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं के आपसी मतभेद को मिटाने के लिए कोई सख्त कदम उठाए जाएंगे. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर और शिवसेना शहराध्यक्ष अरविंद वालेकर के बीच विधायक चुनाव में एवं अंबरनाथ नपा चुनाव में भी दूरियां देखी गई. क्या नगराध्यक्ष के हार का एक कारण ये भी हो सकता है. इस पर भी शिवसेना का आत्मपरीक्षण हो सकता है. दूसरी ओर भाजपा की चुनी गई नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले पाटिल ने शुक्रवार को सांसद श्रीकांत शिंदे से मुलाकात की. शिंदे के निवास स्थान ठाणे वह गई. उनके साथ भाजपा के नगरसेवक अभिजीत करंजुले भी थे.

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 11 में दिग्गजों के बीच होगी जंग

■ पानी की समस्या से जूझता रहा वार्ड

पैनल 11	
कुल मतदाता	21,954
पुरुष मतदाता	11,703
महिला मतदाता	10,246

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर- 3 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश हैं जिसमें राधा काम्पलेक्स, दसरा मैदान, कंवरराम चौक, मनीष नगर, बैरक नं. 1048, रामायण नगर, रिगल काम्पलेक्स, धन गुरु नानक दरबार परिसर, सेक्शन 17, स्टेशन रोड परिसर, उल्हासनगर स्टेशन परिसर, हिराघाट परिसर, इंदिरा गांधी भाजी मार्केट, सिंधू यूथ सर्कल, ढोली नाश्ता परिसर, संजय गांधी नगर, गणेश नगर, आरकेटी कॉलेज परिसर, राधाबाई चौक, भाऊ गोप बहरानी चौक, शिवाजी चौक परिसर, संतू बिल्डिंग, एमएम ग्रुप गणपति परिसर का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - रवी जग्यासी- भाजप, ब - इंदिरा उदासी साई पक्ष, क- कविता पंजाबी - साई पक्ष, ड - जीवन इदनानी - साई पक्ष के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह भाजपा व साई पक्ष का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां ओबीसी महिला, ओबीसी, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां पर हमेशा से ही दिग्गजों के बीच टक्कर रही है। इस पैनल में बहरानी, किशनानी जैसे पूर्व दिग्गज नेताओं ने राज किया है। यहां पर साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी ने अपनी पकड़ बनाई है। उन्हें टक्कर पिछली बार सुमित चक्रवर्ती के सुपुत्र आकाश चक्रवर्ती ने दी थी साथ ही प्रवीण गोधूमल किशनानी ने भी अच्छे खासे वोट लिए थे।

अब इदनानी व चक्रवर्ती का चुनावी गठबंधन है जबकि प्रवीण किशनानी भाजपा में एक बार फिर अपनी किस्मत आजमनाएंगे। वहीं सुमीत के करीबी सुनील सिंग कलवा व उनकी पत्नी किरण सिंह भी मैदान में उतरने को तैयार हैं श्रीमती किरण सिंह पिछले कई वर्षों से यह समाजसेवा कर चुनाव की तैयारी कर रही है। भाजपा से ओबीसी उम्मीदवार राजू जग्यासी व उनका परिवार मैदान में उतर रहा है। साथ ही वरिष्ठ नेता लाल पंजाबी भी मैदान में उतरने की तैयारी में है। अब इन दिग्गजों के बीच बड़ी जंग के आसार है। लेकिन वार्ड में पिछले कई समस्या से पानी की समस्या व अवैध निर्माण सहित उल्हासनगर स्टेशन परिसर में सफाई की समस्या अहम मुद्दे होंगे चुनाव में।

अंबरनाथ में हिंदू सुरक्षा संघ ने निकाली जनाक्रोश रैली

बांग्लादेश नरसंहार का निषेध करके बंगलादेश के झंडे को पैरों से मसला

अंबरनाथ. अंबरनाथ में हिंदू सुरक्षा संघ की ओर से जनाक्रोश रैली निकाली गई. बांग्लादेश में जो हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है. उसके निषेध में रैली निकाल कर केंद्र सरकार को चेतावनी दी गई है कि अगर सरकार ने बांग्लादेश के विरुद्ध सख्त कदम नहीं उठाया तो वह घर-घर में तलवार बाटेंगे. तिरछे, भाले, कटार एवं डमरुओं व शंखनाद से हाहाकार मचेगा.

चाहे हमें फांसी पर चढ़ा दिया जाए, हम डरेंगे नहीं. शहर पूर्व में शिवाजी चौक पर कई हिंदू एकत्रित हुए और बांगलादेश के राष्ट्रीय झंडे को अपने पैरों तले कुचलकर अपना रोष व्यक्त किया. बांग्लादेश प्रकरण में अंबरनाथ में हिंदुओं ने जनाक्रोश रैली निकालकर अपना रोष व्यक्त किया.

विदित हो कि गत दिनों बांगलादेश में कट्टरपंथियों ने दीपू दास नाम व्यक्ति की हत्या कर दी थी. इस पर पूरे देश में हिंदुओं द्वारा रैली निकालकर ये मांग की जा रही है कि केंद्र सरकार बांगलादेश पर सख्त कार्रवाई करे. रैली में ये भी कहा गया कि बांग्लादेश के ढाका को भारत में विलीन करने का ये उचित समय है. ये भी कहा गया कि भारत में मुसलमान गाजा पर हो रहे नरसंहार का निषेध व्यक्त कर रहे हैं. उन्हें चाहिए कि वह बांग्लादेश के हिंदुओं पर जो जुल्म ढाया जा रहा है, उसका वह खुलकर विरोध करे.

वांगणी गांव में भी तेंदुए का आतंक

बदलापुर. बदलापुर के पास आंबेशिव और कराव के ग्रामीण इलाकों के बाद अब वांगणी गांव में भी एक तेंदुआ घुस आया है। तेंदुए ने वांगणी में दो कुत्तों का भी शिकार किया। घनी आबादी वाले इलाके में तेंदुए के इस शिकार से वांगणी इलाके में तेंदुओं का डर फैल गया है।

शुक्रवार आधी रात को वांगणी पूर्व के वार्ड नंबर 2 के भेंडीपाड़ा इलाके में एक तेंदुए ने रात करीब 1:30-2 बजे अंबो कालेकर चौक इलाके में श्रीराम भोईर और हनुमान कंबरी के घर के पास दो कुत्तों का शिकार किया। इलाके में उसके पैरों के निशान और खून के धब्बे दिख रहे हैं। गांव वालों ने जब इसकी जानकारी फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को दी तो फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की एक टीम गांव पहुंची। इस टीम ने वांगणी गांव के पुलिस पाटिल विश्वनाथ माली के साथ मौके का मुआयना किया। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील भी की और किन बातों का ध्यान रखना है, इस बारे में गाइडेंस भी दी। वांगणी गांव का पारंपरिक मेला (उरुस) महज तीन दिनों से चल रहे तेंदुए के प्रवेश से गांव में डर का माहौल फैल गया है। ग्रामीणों द्वारा कहा जा रहा है कि वंगानी क्षेत्र में एक मादा तेंदुआ और दो बछड़े मिले हैं। इस बीच, अगर कालेकर चौक में ग्राम पंचायत द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे चालू होते, तो यह तेंदुआ उनमें कैद हो जाता। हालांकि, गांववालों का कहना है कि कैमरे बंद होने की वजह से वह उनमें कैद नहीं हुआ, और उन्होंने मांग की है कि इन कैमरों को तुरंत ठीक किया जाए। गांववालों ने यह भी कहा कि एक गांववाले के घर पर लगे CCTV कैमरे में एक तेंदुआ कैद हुआ था, और वह धुंधला दिख रहा था।

अंबरनाथ की सड़कों पर हुई 'नोटों की बारिश'

■ नकली नोटों से नागरिक कन्फ्यूज़

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व की सड़कों पर अचानक 'नोटों की बारिश' देखने को मिली। पालेगांव रोड से लेकर हुतात्मा चौक और फ्लाईओवर तक 50 रुपये के नोट गिरते ही लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई; हालांकि, जब इन नोटों की बारीकी से जांच की गई तो पता चला कि ये नकली नोट हैं, जिससे लोगों में कन्फ्यूज़न हो गया; हालांकि, इन नकली नोटों को उठाने के लिए सड़क पर गाड़ियां रुकने से एक्सीडेंट का खतरा बढ़ गया। सड़क पर पड़े इन 50 रुपये के नोटों पर 'भारतीय मनोरंजन बैंक' और 'फुल ऑफ फन' छपा हुआ है. चूंकि ये नोट दूर से बिल्कुल असली नोट जैसे दिखते थे, इसलिए टू-व्हीलर ड्राइवर और पैदल चलने वाले लोग इन्हें उठाने के लिए सड़क के बीच में रुक रहे थे. खासकर जब फ्लाईओवर पर तेज ट्रैफिक होता है, तो पीछे से आ रही गाड़ियों से एक्सीडेंट का डर बना रहता है। आम लोग ही नहीं, बल्कि सड़क किनारे दुकानदार भी इन नोटों को उठाने के लिए सड़कों पर दौड़ रहे थे. ऐसा फ्लाईओवर, मटका चौक और खेर सेक्शन जैसी बिज़ी जगहों पर हुआ, जिससे ट्रैफिक जाम भी हुआ.

चुनाव के बैकग्राउंड में शक

अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल के चुनाव हाल ही में हुए हैं। आरोप-प्रत्यारोप लगे थे कि इस दौरान बड़ी मात्रा में पैसे बांटे गए। इसलिए, सड़कों पर अचानक नोट बिखरे देखकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ये नोट किसने और किस मकसद से फेंके, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

अंबरनाथ में महिला की बेरहमी से हत्या

अंबरनाथ ईस्ट के लोकनगरी इलाके की घटना - बिल्डिंग में महिला की हत्या से सनसनी

अंबरनाथ. अंबरनाथ ईस्ट के लोकनगरी इलाके में काशी लोकनगरी की एक बिल्डिंग की दूसरी मंज़िल पर एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। महिला का नाम शैला आचार्य है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और शिवाजी नगर पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए तीन टीमें भेजी हैं। परिमंडल 4 के डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस सचिन गोर ने कहा कि हत्या का कारण अभी पता नहीं चला है और जल्द ही हत्या की गुत्थी सुलझा ली जाएगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

डिजिटल दौर में पन्ने पलटने की तैयारी

पढ़ने की संस्कृति व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाती है। इससे हमारे जेहन में शब्दों के संग्रहण का विस्तार होता है, आलोचनात्मक सोच विकसित होती है और रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलता है, जो हमें समाज में एक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण नागरिक बनता है। मगर आज के डिजिटल तकनीक के दौर में खासकर बच्चे और युवाओं की अंगुलियां पुस्तक के पन्नों को पलटने के बजाय मोबाइल फोन और लैपटाप पर ही चलने लगी हैं। यह वास्तव में चिंता का विषय है।

अब उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत राज्य के स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी के प्रमुख समाचार पत्र उपलब्ध कराने तथा सुबह की प्रार्थना सभा में कम से कम दस मिनट का समय विद्यार्थियों द्वारा इन्हें पढ़ने के लिए निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है।

पढ़ने की संस्कृति व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाती है। इससे हमारे जेहन में शब्दों के संग्रहण का विस्तार होता है, आलोचनात्मक सोच विकसित होती है और रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलता है, जो हमें समाज में एक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण नागरिक बनता है। मगर आज के डिजिटल तकनीक के दौर में खासकर बच्चे और युवाओं की अंगुलियां पुस्तक के पन्नों को पलटने के बजाय मोबाइल फोन और लैपटाप पर ही चलने लगी हैं। यह वास्तव में चिंता का विषय है।

अब उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत राज्य के स्कूलों में हिंदी और अंग्रेजी के प्रमुख समाचार पत्र उपलब्ध कराने तथा सुबह की प्रार्थना सभा में कम से कम दस मिनट का समय विद्यार्थियों द्वारा इन्हें पढ़ने के लिए निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है।

मगर, यह पहल तभी सार्थक होगी, जब इसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सही मायने में धरातल पर उतारा जाएगा और इसकी निरंतरता को बनाए रखा जाएगा। इसके साथ-साथ सरकारी पुस्तकालयों में भी विद्यार्थियों की आसान पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विचार : बांग्लादेश से सतर्क होने का समय

बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में शेख हसीना सरकार के खिलाफ छेड़े गए छात्र आंदोलन से अशांति और अस्थिरता का जो दौर शुरू हुआ, वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस आंदोलन के चलते शेख हसीना को सत्ता से बाहर होना पड़ा और उन्हें जान बचाने के लिए भारत में शरण लेनी पड़ी। उनके तख्तापलट के बाद सेना के हस्तक्षेप से वहां बनी अंतरिम सरकार की कमान जब नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने संभाली तो माना यह गया था कि वे अशांति और अस्थिरता दूर कर वहां बन रहे भारत विरोधी माहौल पर भी लगाम लगाने का काम करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया।

16 माह बाद भी बांग्लादेश अशांत एवं अस्थिर है और वहां भारत विरोधी तत्व भी बेलगाम हैं। पिछले दिनों वहां जब एक कट्टरपंथी छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या कर दी गई तो यह अफवाह फैलाई गई कि उसका हत्यारा भारत भाग गया है। उसके साथ-साथ शेख हसीना को भी सौंपने की मांग कर वहां नए सिरे से भारत विरोधी माहौल बनाया जाने लगा। इसी माहौल में वहां एक हिंदू युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और फिर उसके शव को सबके सामने जला दिया गया। इसके बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि छात्र नेता के हत्यारे के भारत भाग जाने की कहीं कोई सूचना नहीं।

इसके बाद भी वहां भारत विरोधी तत्व उत्पात मचा रहे हैं। वे भारत के उच्चायोग को निशाना बनाने की कोशिश करने के साथ हिंदुओं पर हमले करने में लगे हुए हैं, जबकि हादी के भाई ने उसकी

हत्या के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार को ही कठघरे में खड़ा किया है। बीते दिनों वहां एक और हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। इसके अलावा हिंदुओं के घरों में आगजनी की जा रही है। इसी तरह की घटनाएं तब भी हुई थीं, जब शेख हसीना का तख्तापलटा गया था।

भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते संबंधों के बीच वहां के सबसे बड़े राजनीतिक दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान जिया का 17 साल बाद लंदन से लौटना एक बड़ा घटनाक्रम है। वह पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। इस समय खालिदा जिया गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में हैं। यदि फरवरी में होने वाले आम चुनावों में बीएनपी जीत हासिल करती है तो तारिक रहमान देश की कमान संभाल सकते हैं, लेकिन इन चुनावों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कहना कठिन है।

इसका बड़ा कारण यह है कि अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित कर उसे चुनाव लड़ने से रोक दिया है। इतना ही नहीं, उस जमाते इस्लामी को चुनाव लड़ने दिया जा रहा है, जिस पर शेख हसीना ने इसलिए प्रतिबंध लगा रखा था, क्योंकि वह पाकिस्तान समर्थक है। जमात ने बांग्लादेश की लड़ाई के समय पाकिस्तान का साथ दिया था। जमाते इस्लामी के साथ ही बांग्लादेश में अन्य ऐसे कट्टरपंथी तत्व बेलगाम हैं, जो भारत विरोध के साथ हिंदुओं पर दमन के लिए कुख्यात हैं। मोहम्मद यूनुस उन पर लगाम लगाने की कहीं कोई कोशिश करते दिख नहीं दिख रहे हैं।

वे भारत की चिंताओं का समाधान करने के बजाय उन्हें बढ़ाने का काम करते दिख रहे हैं। बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंता इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस उस पाकिस्तान से संबंध बढ़ाने में लगे हुए हैं, जिसने वहां के लोगों पर कहर ढाया था। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि वे भारत को चिढ़ाने के लिए ही पाकिस्तान को अहमियत दे रहे हैं।

बांग्लादेश में केवल पाकिस्तान का ही हस्तक्षेप बढ़ता नहीं दिख रहा, चीन का प्रभाव भी बढ़ रहा है। मोहम्मद यूनुस पाकिस्तान के साथ चीन को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। उनके रवैए से लगता है भारत से दोस्ती उन्हें पसंद नहीं। भारत से संबंध सुधारने में उनकी अनिच्छा से प्रतीति होती है कि वे बांग्लादेश में भारत के खिलाफ माहौल बनाने के लिए कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय ताकतों को भी अवसर दे रहे हैं। ध्यान रहे शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के समय पश्चिमी ताकतों का हाथ देखा गया था। सच जो हो, भारत के लिए यह ठीक नहीं कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय ताकतों की भी भूमिका बढ़ती दिख रही है।

प्रेम के वृक्ष का सबसे मीठा फल सेवा है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

क्रिसमस के दिन नफरत का शोर

दुनिया भर में भारत को विविधताओं से भरी सांस्कृतिक छवियों वाले एक ऐसे देश के रूप में देखा-जाना जाता है, जहां अलग-अलग धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते और एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते आए हैं। मगर हाल के वर्षों में कुछ खास त्योहारों के ठीक पहले जिस तरह द्वेष का माहौल पैदा करने की कोशिश की जाने लगी है, वह न केवल देश में सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है, बल्कि मानवीय तकाजों के भी विरुद्ध है। क्रिसमस को ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसमें आमतौर पर देश में सभी धर्मों के लोग उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। विडंबना यह है कि अब कुछ असामाजिक तत्त्व क्रिसमस के मौके पर देश के ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाने लगे हैं और इसका सीधा नुकसान देश की छवि को हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष फिर क्रिसमस के मौके पर छत्तीसगढ़ और असम सहित कुछ राज्यों में ईसाई समुदाय के प्रार्थना स्थलों और अन्य जगहों पर दक्षिणपंथी समूहों ने हमला किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई।

सवाल है कि वे कौन लोग हैं, जो सद्भाव के माहौल में नफरत घोलना चाहते हैं और उन्हें देश के अल्पसंख्यक या अन्य समुदायों के पर्व-त्योहार से परेशानी होने लगी है। क्या मानवीयता के मूल्यों को अपनी आस्था का सबसे अहम पक्ष मानने वाला कोई भी व्यक्ति किसी अन्य समुदाय के त्योहार से इस

कदर दुश्मनी रख सकता है?

सद्भाव या सौहार्द के साथ किसी धार्मिक उत्सव को मनाए जाने से किसे दिक्कत हो सकती है? केवल निराधार आरोपों का हवाला देकर किसी ऐसे त्योहार पर अराजकता फैलाने का क्या मकसद हो सकता है, जिसमें देश के सभी धर्मों के लोग या तो सहज रहते हैं या फिर उसमें शामिल होते हैं?

कथित धर्म परिवर्तन के आरोप अगर लगाए भी जाते हैं, तो इस मसले पर सरकार और प्रशासन अपना काम करेंगे या कुछ अराजक और असामाजिक तत्त्वों को अपनी ओर से हिंसा करने की छूट मिल जाती है? किसी समुदाय के भीतर डर पैदा करके किस तरह से धर्म की सेवा की जा सकती है?

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी बहाने से अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ हिंसा करना या तोड़फोड़ मचाना वास्तव में अपने ही देश की सांस्कृतिक छवि को नकारात्मक बनाना है। अगर इस तरह की प्रवृत्तियों को तुरंत नहीं रोका गया, तो इससे आपसी सद्भाव का माहौल बिगड़ने की आशंका पैदा होगी।

इतना तय है कि देश के संविधान का सम्मान करने वाली सरकारें और ज्यादातर संवेदनशील लोग धर्म के नाम पर टकराव तथा तनाव पैदा करने की कोशिशों का समर्थन नहीं करते। यही वजह है कि कई जगहों पर क्रिसमस पर उत्पात मचाने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया।

यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किसी भी पर्व-त्योहार के मौके पर सांप्रदायिकता फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। विचित्र यह भी है कि क्रिसमस के मौके पर एक ओर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईसाई समुदाय के साथ मेलजोल, शांति और सद्भाव का संदेश दे रहे थे, तो दूसरी ओर कुछ असामाजिक तत्त्व तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने में लगे थे।

देश में सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों के अवसर पर सौहार्द तथा सद्भाव की जो परंपरा रही है, उसे बचाने और मजबूत करने के लिए सरकार और समाज को एक बार फिर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

जरा हट के

ड्रोन से लटककर जेल से भाग सकते हैं कैदी

ब्रिटेन की जेलों को लेकर एक नई और गंभीर चिंता सामने आई है. जेल प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में टेक्नोलॉजी बेहतर होने की वजह से ड्रोन कैदियों को जेल से भगाने में इस्तेमाल किए जा सकते हैं. यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब ड्रोन के जरिए जेलों में नशीले पदार्थ, मोबाइल फोन और अन्य सामान की तस्करी पहले से ही एक बड़ी समस्या बनी हुई है. प्रिजन गवर्नर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष टॉम व्हीटली का कहना है कि अब ऐसे ड्रोन बाजार में मौजूद हैं, जो 100 किलोग्राम तक वजन उठा सकते हैं. यह वजन एक औसत ब्रिटिश पुरुष के वजन से भी करीब 15 किलो ज्यादा है. ऐसे में आशंका है कि अपराधी इस तकनीक का इस्तेमाल कर कैदियों को जेल से बाहर निकालने की कोशिश कर सकते हैं.

डेली स्टार के अनुसार टॉम व्हीटली ने कहा, 'हम जिन लोगों को जेल में बंद करते हैं, उनमें से कई के पास अब भी बहुत पैसा और संपर्क होते हैं. अगर कोई कैदी जेल में है, उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है और वह बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है, तो ड्रोन उसके दिमाग में जरूर आएगा. तकनीक अब पूरी तरह मौजूद है. 100 किलो वजन उठाने वाले ड्रोन हकीकत हैं. सवाल सिर्फ इतना है कि इन्हें हासिल कैसे किया जाए, लेकिन जो लोग कानून तोड़ने के लिए तैयार हैं, उनके लिए यह नामुमकिन नहीं है.'

पहले से ही ड्रोन का इस्तेमाल जेलों में अवैध सामान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है. गिरोह ड्रोन के जरिए ड्रग्स, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य उपकरण जेल की दीवारों के अंदर पहुंचा देते हैं. यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 से मई 2025 के बीच इंग्लैंड और वेल्स की जेलों में 1,700 से ज्यादा ड्रोन देखे गए. यह संख्या पिछले साल की तुलना में 43 प्रतिशत ज्यादा है. इससे साफ है कि जेलों की सुरक्षा व्यवस्था पर ड्रोन एक बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं. ड्रोन तकनीक अब सिर्फ छोटे और हल्के उपकरणों तक सीमित नहीं है.

हेल्दी मैक्रोनी सलाद

अक्सर हम मैक्रोनी को ढेर सारे तेल और मसाले में पकाकर खाते हैं, लेकिन सलाद के रूप में इसे खाना एक बिल्कुल नया अनुभव है। इसमें सब्जियों का क्रंच और ड्रेसिंग का क्रीमी स्वाद मिलकर एक लाजवाब कॉम्बिनेशन बनाते हैं। इसे बनाने में मुश्किल से 10 से 15 मिनट का समय लगता है। आइए, बिना देर किए जानते हैं इसे बनाने की आसान रेसिपी।

खाना-खजाना

सामग्री :

- 1 कप उबली हुई मैक्रोनी (पास्ता)
- बारीक कटी सब्जियां (शिमला मिर्च, खीरा, टमाटर, प्याज और उबले हुए स्वीट कॉर्न)
- 2 चम्मच मेयोनीज या गाढ़ा दही (अगर आप इसे पूरी तरह हेल्दी रखना चाहते हैं)
- काली मिर्च पाउडर, नमक और थोड़े से चिली फ्लेक्स
- नींबू का रस (ऑप्शनल)

बनाने का तरीका

सबसे पहले मैक्रोनी को नमक और थोड़े तेल के साथ उबाल लें। ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा गल न जाए। उबलने के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें ताकि यह आपस में चिपके नहीं।

एक बड़े कटोरे में अपनी मनपसंद कटी हुई सब्जियां डालें। अब इसमें उबली हुई मैक्रोनी मिलाएं।

अब इसमें मेयोनीज या फेंटा हुआ गाढ़ा दही डालें। ऊपर से काली मिर्च, नमक और चिली फ्लेक्स छिड़कें। खटास के लिए थोड़ा नींबू का रस भी डाल सकते हैं।

सभी चीजों को हल्के हाथों से मिलाएं। इस सलाद का असली मजा तब है जब यह ठंडा हो।

बनाने के बाद इसे 15-20 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। ठंडी-ठंडी मैक्रोनी और कुरकुरी सब्जियों का स्वाद आपकी शाम को तरोताजा कर देगा।

खाने में नमक हो गया है तेज?

■ 5 किचन हैक्स से मिनटों में बैलेंस करें टेस्ट

सोचिए, घर पर मेहमानों के आने में बस 10 मिनट बचे हैं। डाइनिंग टेबल सज चुकी है और आपकी 'स्पेशल डिश' की खुशबू से पूरा घर महक रहा है। आप बड़े उत्साह के साथ सब्जी को फाइनल टच देने के लिए चखते हैं... और तभी आपको एक जोरदार झटका लगता है। 'हे भगवान! इसमें तो नमक जहर जैसा तेज हो गया है!' इस एक पल में ऐसा लगता है जैसे पैरों तले जमीन खिसक गई हो। माथे पर पसीना और दिमाग सुन्न, कि अब इतनी जल्दी दोबारा खाना कैसे बनेगा? क्या सारी मेहनत बेकार जाएगी? क्या मेहमानों के सामने शर्मिंदा होना पड़ेगा?

ऐसे में, अब आप गहरी सांस ले सकते हैं। दरअसल, आपकी रसोई एक ऐसी जगह है जहां हर गलती सुधारी जा सकती है। नमक का तेज होना बस एक छोटी-सी गड़बड़ है जिसे हमारे देसी नुस्खे चुटकियों में ठीक कर सकते हैं। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं ऐसे 5 किचन हैक्स।

■ आटे की लोइयां हैं सबसे असरदार

यह सबसे पुराना और आजमाया हुआ नुस्खा है। अगर रसेदार सब्जी या दाल में नमक ज्यादा हो गया है, तो गुंथे हुए आटे की 2-3 बड़ी गोलियां बनाकर सब्जी में डाल दें। इसे 10-15 मिनट तक पकने दें। आटा एक्स्ट्रा नमक को सोख लेता है। ध्यान रहे, परोसने से पहले गोलियों को बाहर

निकालना न भूलें।

■ कच्चे आलू का कमाल

आलू सिर्फ सब्जियों का राजा नहीं, बल्कि एक 'नमक सोखने वाली मशीन' भी है। एक कच्चे आलू को छीलकर उसके बड़े टुकड़े करें और उसे सब्जी या दाल में डाल दें। आलू सब्जी के एक्स्ट्रा नमक को अपने अंदर खींच लेगा। पकने के बाद आप आलू के टुकड़ों को अलग कर सकते हैं।

■ दही या मलाई का इस्तेमाल

अगर आप शाही पनीर, चिकन या कोई मसालेदार ग्रेवी बना रहे हैं, तो उसमें एक बड़ा चम्मच दही या ताजी मलाई मिला दें। यह न केवल नमक के तीखेपन को कम करता है, बल्कि आपकी डिश को एक 'क्रीमी' और रेस्टोरेंट जैसा स्वाद भी देता है। बस ध्यान रहे कि दही ज्यादा खट्टा न हो।

■ नींबू का रस

अगर सूखी सब्जी (जैसे भिंडी या आलू गोभी) में नमक तेज हो गया है, तो वहां आटा या दूध काम नहीं आएगा। ऐसी स्थिति में नींबू का रस आपका सबसे अच्छा दोस्त है। खटास नमक के स्वाद को काट देती है और उसे बैलेंस कर देती है। इससे सब्जी का स्वाद भी दोगुना हो जाएगा।

■ ब्रेड का टुकड़ा

अगर सूप या दाल में नमक ज्यादा हो गया है, तो उसमें एक या दो ब्रेड के स्लाइस डाल दें। ब्रेड स्पंज की तरह काम करती है और खारे पानी को सोख लेती है। 1-2 मिनट बाद ब्रेड को सावधानी से बाहर निकाल लें, आपका सूप पीने के लिए बिल्कुल तैयार हो जाएगा।

कुकिंग एक कला है और गलतियां किसी से भी हो सकती हैं। स्मार्ट कुक वो नहीं जिससे गलती न हो, बल्कि वो है जो गलती को सुधारना जानता हो।

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। जोखिम के कार्यों में सावधानी रखें।

वृषभ : विवाद से क्लेश होगा। दु:खद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। कहासुनी, बहस हो सकती है। विवाद समाप्त होने से शांति एवं संतोष मिलेगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है। भूमि संबंधी लेन-देन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क : अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अनायास किसी समस्या का समाधान हो सकता है। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करना जरूरी है।

सिंह : यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएँगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। अहम का भाव मन में न पनपने दें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

कन्या : घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

तुला : वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। परोपकारी स्वभाव होने के कारण दूसरों की मदद करके सुख अर्जित करेंगे।

वृश्चिक : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी। समय का दुरुपयोग न करें। अधिकारी कामकाज में सहयोग करेंगे। शत्रु भय रहेगा।

धनु : पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। देव दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। सोच-समझकर व्यय करें। पारिवारिक समस्याओं का हल सूझ-बूझ से करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

मकर : कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी। संतान की मदद से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए अनुबंधों से लाभ होगा।

कुंभ : वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। अनसोचे काम होंगे। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापार अच्छा चलेगा। कुसंगति से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

मीन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अनायास समस्या सुलझेगी। व्यापार-व्यवसाय में आशानुकूल स्थिति बनेगी। संत-समागम होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चंदन की लकड़ी असली है या नकली?

■ खरीदने से पहले जान लें ये टिप्स

■ वरना लाखों रुपये हो जाएंगे बर्बाद

चंदन की लकड़ी अपने अद्भुत खुशबू और गुणवत्ता के लिए हमेशा से ही प्रसिद्ध रही है. आम लोग अक्सर यह पहचान नहीं पाते कि बाजार में बिक रही लकड़ी असली है या नकली. असली चंदन की लकड़ी महंगी होती है और इसकी खुशबू, रंग और बनावट इसे अलग पहचान देती है. वहीं नकली चंदन दिखने में सही लग सकता है, लेकिन इसके गुण और खुशबू असली चंदन से बिल्कुल अलग होते हैं. आम लोग अक्सर यह नहीं पहचान पाते कि लकड़ी असली है या नकली. क्योंकि बाजार में नकली चंदन भी आसानी से मिल जाता है. ऐसे में कुछ आसान तरीकों से आप असली और नकली चंदन की पहचान कर सकते हैं. आइए जानते हैं.

■ असली चंदन की पहचानने के आसान तरीके

असली चंदन की पहचान करने के लिए सबसे पहले लकड़ी की खुशबू और बनावट पर ध्यान दें. असली चंदन हल्की, ठंडी और

मीठी खुशबू देता है. इसे किसी खुरदरी सतह या पत्थर पर हल्का रगड़ने से खुशबू तेज हो जाती है और समय के साथ और निखरती है. लकड़ी का रंग हल्का पीला या सुनहरा होना चाहिए और इसके रेशे बारीक और समान होने चाहिए.

नकली चंदन में रंग गहरा या असमान होता है और रेशे मोटे दिखाई देते हैं. लकड़ी पर गर्म सुई लगाकर भी फर्क महसूस किया जा सकता है. असली चंदन तेज खुशबू देगा और धुआं नहीं निकलेगा, जबकि नकली लकड़ी से केमिकल जैसी गंध आएगी और धुआं भी निकल सकता है. पानी में डालकर भी जांच की जा सकती है. असली चंदन हल्का पीला या दूधिया रंग छोड़ता है, लेकिन नकली लकड़ी अजीब रंग छोड़ सकती है या बिल्कुल रंग नहीं छोड़ती. इसके अलावा असली चंदन सामान्य लकड़ी की तुलना में थोड़ा भारी होता है, जबकि नकली हल्का होता है.

■ क्या बोले दुकानदार

दुकानदार बताते हैं कि असली और नकली चंदन की पहचान के लिए इन सभी तरीकों को एक साथ अपनाना सबसे भरोसेमंद तरीका है. लकड़ी का सर्टिफिकेट मिलने पर भी आप असली चंदन की पुष्टि कर सकते हैं. बाजार में लकड़ी खरीदते समय खुशबू, रेशे और लकड़ी का वजन पर विशेष ध्यान देना जरूरी है. केवल रंग देखकर निर्णय लेना सही नहीं है.

■ खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें

असली चंदन को लंबी अवधि तक इस्तेमाल करने पर इसकी खुशबू और गुण और अधिक निखरते हैं. नकली चंदन जल्दी खुशबू खो देता है और जलाने पर धुआं और खराब गंध देता है. घरेलू परीक्षण से आप मिनटों में लकड़ी की गुणवत्ता का अंदाज़ा लगा सकते हैं.

गठिया दर्द कर रहा है परेशान?

पिछले कुछ समय में जोड़ों में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ी है. इसका असहनीय दर्द चलना-फिरना तो दूर, उठना-बैठना तक मुश्किल कर देता है. बता दें कि, इस परेशानी को कुछ चीजें अधिक बढ़ाती हैं. इसलिए इन चीजों से दूरी बनाने में ही भलाई है. अब सवाल है कि आखिर गठिया दर्द में क्या नहीं खाना चाहिए? इस बारे में बता रही हैं सीनियर डाइटिशियन ऋचा शर्मा-

इन चीजों से बनाएं दूरी

एडेड शुगर: डाइटिशियन के मुताबिक, गठिया दर्द की परेशानी में एडेड शुगर के सेवन से बचना चाहिए. दरअसल, बॉडी में शुगर की मात्रा अधिक होने से जोड़ों में सूजन की समस्या बढ़ जाती है, जिससे अर्थराइटिस का दर्द ज्यादा परेशान कर सकता है.

प्रोसेस्ड और रेड मीट: गठिया दर्द से परेशान लोगों को प्रोसेस्ड और रेड मीट को खाने से भी परहेज करना चाहिए. बता दें कि, इन दोनों के सेवन से अपाच्य प्रोटीन बढ़ने लगता है, जिससे अर्थराइटिस का दर्द भी अधिक होने लगता है.

मोटे अनाज: गठिया से पीड़ित लोगों को गेहूं, ज्वार और मैदा जैसे मोटे अनाज के सेवन से बचना चाहिए. दरअसल, ये मोटे अनाज गठिया की समस्या को बढ़ा सकते हैं. जिससे उठना-बैठना तक मुश्किल हो सकता है.

वेजिटेबल ऑयल: अगर जोड़ों के दर्द है तो वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए. एक्सपर्ट के मुताबिक,

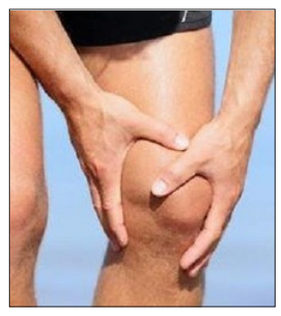

वेजिटेबल ऑयल में हाई ओमेगा-6 और ओमेगा 3 फैट्स होता है, जो दर्द को बढ़ा सकता है.

अधिक नमक: अगर आप गठिया दर्द से परेशान हैं तो नमक खाना सीमित कर देना चाहिए. क्योंकि, अधिक नमक गठिया मरीजों के लिए ठीक नहीं है. इस स्थिति में आपकी परेशानी और बढ़ सकती है.

फैटी फूड्स: गठिया पीड़ितों को फैटी फूड्स के सेवन से भी बचना चाहिए. बता दें कि, इन चीजों के सेवन से शरीर में फैट जमा होता है जो मोटापे का कारण बन सकता है. यही नहीं, शरीर का अधिक वजन बढ़ने से अर्थराइटिस और बढ़ सकती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

तंत्र-मंत्र की रंजिश या... बस्ती के तांत्रिक की हत्या में दो पर शक; चेले ने किया खेला?

बस्ती. यूपी के बस्ती जिले के बेमरही गांव में शुक्रवार देर रात एक तांत्रिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात में दो संदिग्धों का नाम सामने आया है। जिनके इशारे पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह को तंत्र-मंत्र की रंजिश के साथ ही कई अन्य एंगल से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। पुलिस मृतक के चेले सहित कुछ अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटनास्थल और आसपास फोरेंसिक टीम के साथ डॉग स्क्वायड की मदद से भी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। एसपी अभिनंदन ने बताया कि पूछताछ में कई अहम जानकारियां हाथ लगी हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

चाचा ने साथियों के संग मिलकर भतीजे को उतारा था मौत के घाट, दो गिरफ्तार, एक फरार

रायबरेली. यूपी के रायबरेली में एक चाचा ने अपने ही भतीजे को मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, एक आरोपी अभी भी फरार है। बछरावां थाना क्षेत्र में बीती एक दिसंबर 2025 को स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अभिषेक कुमार पुत्र श्री रामकृपाल यादव निवासी ग्राम जगन्नाथपुर पोस्ट देहली थाना शिवगढ़ जनपद रायबरेली का शव संदिग्ध परिस्थितियों में ग्राम सब्जी स्थित छोटकवा खेड़ा पुलिया के पास मिला। पुलिस को मामले में 27 दिसंबर 2025 को टिप मिली। टिप के अनुसार पुलिस ने दबिश देकर दो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में रामचंद्र यादव और रमेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा दिया है। वहीं एक आरोपी अब भी फरार है।

जिस मंदिर में की शादी, 22 दिन बाद उसी जगह लटके मिले पति-पत्नी के शव

सीतापुर. यूपी के सीतापुर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के अनिया कला स्थित प्रसिद्ध महामाई मंदिर परिसर में रविवार सुबह एक नवविवाहित जोड़ा का शव पेड़ से लटकते हुए पाया गया। दिल दहला देने वाली बात यह है कि प्रेमी युगल ने महज 22 दिन पहले इसी मंदिर के पवित्र प्रांगण में सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की थी। अब उसी स्थान पर दोनों ने एक ही रस्सी के फंदे से लटककर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। लहरपुर के बस्ती पुरवा निवासी खुशीराम (22) का अपनी दूर की रिश्तेदार मोहिनी (19) के साथ लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पारिवारिक विरोध के बावजूद, खुशीराम और मोहिनी ने हार नहीं मानी और 6 दिसंबर को घर से निकलकर हरगांव के इसी महामाई मंदिर में वैदिक रीति-रिवाज से प्रेम विवाह कर लिया था।

सिक्योरिटी गार्ड ने साथी की गोली मार की हत्या

कानपुर. कानपुर के बिल्हौर के गदनपुर आहार गांव में निर्माणाधीन महर्षि महेश योगी अंतरराष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार रात नशे में सिक्योरिटी गार्ड अनिरुद्ध द्विवेदी ने साथी गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी। साथी ने अलाव तापने के दौरान ज्यादा लकड़ी डालने से मना किया तो दोनों में विवाद होने लगा था। इसी दौरान अनिरुद्ध ने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से सीने में गोली मार दी। शनिवार शाम को आरोपी ने बंदूक समेत कल्याणपुर थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बिल्हौर के औरंगपुर सांभी गांव का 45 वर्षीय निर्मल सिंह चंदेल किसान था। उसकी पत्नी पुष्पा कैंसर से जूझ रही है और चल तक नहीं पाती है।

जम्मू - कश्मीर में बड़े आंदोलन का अल्टिमेटम

नजरबंद कर दिए गए महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता

श्रीनगर. जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है।

प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किए जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए एक समिति गठित किए जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पारा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे विरोध कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें। मेहदी ने शनिवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि उनके आवास के बाहर सशस्त्र पुलिस तैनात की गई है। उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह छात्रों के समर्थन में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन को दबाने के लिए की गई एक पूर्व-नियोजित कार्रवाई है?''

पारा ने इसी के साथ जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार पर आरक्षण मुद्दे को हल करने की कोई मंशा नहीं दिखाने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा आरक्षण नीति अस्तित्व का मामला बन गई है।

एंटी बायोटिक दवाइयां पड़ रही कमजोर

'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जताई चिंता

नई दिल्ली. वर्ष 2025 के आखिरी 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल भारत की उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके अलावा पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर अपनी राय भी रखी। पीएम ने सबसे बड़ी चिंता एंटी बायोटिक के उपयोग पर जताई। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक बीमारियों के खिलाफ इसकी उपयोगिता कम हो रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम भारतीयों के अंदर एंटी बायोटिक के उपयोग को लेकर उदासीनता है। हम बिना डॉक्टर की सलाह के भी यह दवाईयां खाने लगे हैं। पीएम ने आग्रह किया कि किसी भी तरह की दवाई डॉक्टर की सलाह के बिना न खाएं।

इससे पहले पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि कुछ ही दिनों में 2026 दस्तक देने वाला है। मन में इस साल की कई यादें घूम रही हैं। कई उपलब्धियां ऐसी हैं, जिन्होंने पूरे देश को एक साथ जोड़ दिया और गर्व करने का मौका दिया।

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, 'इस साल ऑपरेशन सिंदूर ने हर भारतीय को गर्व करवाया। पूरी दुनिया ने देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया के हर कोने में भारत माता के प्रति प्यार और भक्ति की तस्वीरें सामने आईं।'

2025 में खेलों में भारत की उपलब्धि की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'इस साल पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंम्पियंस ट्रॉपी जीती, महिला टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप अपने नाम किया। भारत की बेटियों ने विमेंट ब्लाइंड वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया। एशिया कप में भी भारतीय टीम ने अपना परचम लहराया।'

2025 में विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'भारत ने साइंस और स्पेस के क्षेत्र में भी इस वर्ष बड़ी छलांग लगाई है। शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। पर्यावरण सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी कई पहल भी इस साल शुरू हुईं। इसके अलावा अब भारत में चीतों की संख्या भी 30 से ज्यादा हो गई है।

अरावली हिल्स में खनन मामले का सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

- 3 जजों की बेंच सोमवार को करेगी सुनवाई

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट अरावली हिल्स में खनन से संबंधित मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। यह सुनवाई नवंबर 2025 के उस फैसले के बाद हो रही है, जिसमें कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिश पर अरावली हिल्स की नई परिभाषा स्वीकार की थी – जिसमें स्थानीय स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भूमि को ही अरावली हिल माना जाएगा। साथ ही, पूर्व वन संरक्षण अधिकारी आरपी बलवान की याचिका भी इस मामले से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने इस परिभाषा को चुनौती दी है। यह कदम पर्यावरणीय चिंताओं और राजस्थान सहित कई राज्यों में हो रहे प्रदर्शनों के बीच उठाया गया है।

विवाद की जड़ अरावली पर्वतमाला की परिभाषा में है, जो दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैली हुई है। यह दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है, जो थार मरुस्थल के फैलाव को रोकती है, भूजल रिचार्ज करती है और जैव विविधता को बनाए रखती है। लंबे समय से यहां अवैध खनन और पर्यावरण क्षति की समस्या रही है। नवंबर 20, 2025 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की बेंच ने केंद्र की समिति की रिपोर्ट स्वीकार करते हुए कहा कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियां अरावली का हिस्सा नहीं मानी जाएंगी।

बांग्लादेश की पुलिस का दावा

मेघालय के रास्ते भारत में घुस गए हादी के 2 हत्यारे

ढाका. ढाका महानगर पुलिस ने दावा किया है कि बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मुख्य संदिग्ध अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत के मेघालय राज्य में प्रवेश कर चुके हैं। पुलिस का कहना है कि हमलावर मयमनसिंह शहर की हलुआघाट सीमा के जरिए अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए और अब वे मेघालय के तुरा शहर में छिपे हो सकते हैं।

ढाका पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त एसएन नजमुल इस्लाम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख के बारे में यह दावा किया है। उनका कहना है कि बताया कि ने स्थानीय साथियों की मदद से दोनों ने सीमा पार की। पुलिस के अनुसार, दोनों संदिग्धों को सीमा पार करने के बाद पुर्ती नाम के एक व्यक्ति ने रिसीव किया। इसके बाद 'समी' नाम के एक टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें मेघालय के तुरा शहर तक पहुंचाया। बांग्लादेशी अधिकारियों का दावा है कि इन संदिग्धों की मदद करने वाले दोनों व्यक्तियों को भारतीय अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। फिलहाल, बांग्लादेश सरकार औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों से भारत के संपर्क में है ताकि आरोपियों की गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया जा सके।

सेंगर की जमानत के खिलाफ HC पहुंची CBI

नई दिल्ली. पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि अपराध के समय विधायक रहे सेंगर को पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत लोक सेवक नहीं माना जा सकता। CBI की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की अवकाशकालीन पीठ 29 दिसंबर को सुनवाई करेगी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सेंगर का मामला पॉक्सो एक्ट की धारा 5(c) के दायरे में नहीं आता। यह धारा यौन हमले से संबंधित है, जो तब लागू होती है जब अपराध किसी पुलिस अधिकारी, सशस्त्र बल के सदस्य, लोक सेवक या शिक्षण संस्थान के कर्मचारी द्वारा किया गया हो।

हाई कोर्ट के अनुसार, एक विधायक इस परिभाषा में फिट नहीं बैठता जिसके आधार पर सेंगर को राहत दी गई थी।

CBI ने अपनी दलील में कहा है कि हाई कोर्ट ने उस सार्वजनिक विश्वास और अधिकार की अनदेखी की है, जो एक विधायक को संवैधानिक पद पर होने के नाते मिलता है। एजेंसी का तर्क है कि यदि सांसदों और विधायकों पर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम (PC Act) के तहत लोक सेवक मानकर मुकदमा चलाया जा सकता है, तो उन्हें पॉक्सो एक्ट के तहत भी लोक सेवक ही माना जाना चाहिए।

पॉक्सो एक्ट की धारा 5(c) का उद्देश्य उन शक्तिशाली लोगों को दंडित करना है जो अपने पद या रसूख का इस्तेमाल बच्चों के शोषण के लिए करते हैं। भ्रष्टाचार के अपराधों की तुलना में पॉक्सो के तहत अपराध अधिक गंभीर हैं, इसलिए इसमें कानून की व्याख्या और अधिक सख्त होनी चाहिए।

सुनवाई के दौरान आडवाणी का भी जिक्र

CBI ने सुप्रीम कोर्ट के 'एलके आडवाणी बनाम सीबीआई' मामले के फैसले को आधार बनाया है। उस मामले में अदालत ने व्यवस्था दी थी कि सार्वजनिक पद धारण करने वाला कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सांसद हो या विधायक, 'लोक सेवक' की श्रेणी में आता है। CBI के अनुसार, विधायक का पद समाज और राज्य के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी का होता है।

मेरे साथ ये 3 साल रेप करता रहा कांस्टेबल

संतकबीरनगर. यूपी के संतकबीरनगर में यूपी पुलिस के एक कांस्टेबल की शादी रुकवाने के लिए उसी के थाने पर तैनात रही एक महिला सिपाही पहुंच गई। महिला सिपाही अपने साथ डॉयल-112 के पुलिस कर्मियों को भी लाई थी। वह लोगों को दूल्हा बने कांस्टेबल के साथ अपने फोटो दिखाने लगी। महिला सिपाही चीखते हुए बोली कि दूल्हा बने शख्स ने शादी का झांसा देकर तीन साल तक उसके साथ बार-बार रेप किया। उसने शादी रुकवाने की कोशिश की लेकिन बारातियों ने उसके साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। महिला सिपाही का कहना है कि बारातियों ने उसकी आंखों के सामने दो मिनट में कांस्टेबल की शादी करा दी।

असम को बांग्लादेश में मिलाने की हो सकती है कोशिश

- हिमंत सरमा ने किया आगाह

गुवाहाटी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। शनिवार को भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि राज्य में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 50 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर जाती है तो असम को बांग्लादेश का हिस्सा बनाने के प्रयास शुरू हो सकते हैं। उन्होंने इस स्थिति को असम की अस्मिता और संस्कृति के लिए एक बड़ा खतरा बताया।

मुख्यमंत्री सरमा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत को पार कर चुकी है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'आज हम अपनी आंखों से इस वास्तविकता को देख रहे हैं। यदि यह आबादी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई, तो असम के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगेगा।'

बांग्लादेश में हाल ही में हुई 'दीपू दास' की मॉब लिंचिंग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने असम के लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि अगर आज वहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो असम के लोग कल्पना कर सकते हैं कि अगले 20 वर्षों में यहां की स्थिति क्या होगी। उन्होंने घुसपैठियों की वफादारी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि भारत और बांग्लादेश के बीच युद्ध होता है तो ये लोग किसका साथ देंगे?

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम इंडिया के कप्तान बने

- साउथ अफ्रीका दौरे के लिए कमान मिली
- वर्ल्ड कप में आयुष म्हात्रे ही कप्तान होंगे

14 साल के वैभव सूर्यवंशी को भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है। वे साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम की कप्तानी करेंगे। हालांकि, वर्ल्ड कप में आयुष म्हात्रे ही कप्तान होंगे। वे इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका दौरे से बाहर हैं। BCCI ने शनिवार को साउथ अफ्रीका टूर और अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान किया है। बोर्ड ने विहान मल्होत्रा को वर्ल्ड कप के लिए उपकप्तान बनाया है। विहान भी इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका नहीं जा रहे हैं। भारत की युवा टीम का साउथ अफ्रीका दौरा 3 जनवरी से शुरू होगा। इसमें 3 वनडे खेले जाएंगे। इसके बाद टीम इंडिया 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। 15 जनवरी को USA के खिलाफ भारत अपने वर्ल्ड कप अभियान का आगाज करेगी। दूसरा मैच 17 जनवरी को बांग्लादेश और तीसरा मैच 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप से पहले दो कप्तान क्यों बनाए?

BCCI ने प्रेस रिलीज में बताया कि युवा टीम के रेग्युलर कप्तान आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा की कलाई में चोट लगी है। दोनों साउथ अफ्रीका दौरे से बाहर रहेंगे। ये दोनों चोट के इलाज के लिए BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। फिर ICC मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम से जुड़ेंगे।

कर्नाटक बुलडोजर ऐक्शन पर सिद्धारमैया और शिवकुमार साथ

- केरल सीएम विजयन को जमकर सुनाया

बेंगलूरु. कर्नाटक में हो रहे बुलडोजर ऐक्शन की चर्चा दिल्ली तक है। सीएम पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच हुए 20 दिसंबर को कोगिलू लेआउट में हुए बुलडोजर ऐक्शन और कई परिवारों की बेदखली को लेकर कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एक ही पक्ष में है। इतना ही नहीं इस ऐक्शन की आलोचना करने पर दोनों ने ही केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन को तीखा जवाब भी दिया है।

केरल के मुख्यमंत्री को जवाब देते हुए सीएम सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, 'येहलंका के पास कोगिलू लेआउट में कचरे वाली जगह पर कई लोगों ने अपनी निजी झोपड़ियां खड़ी कर ली थी। यह जगह इंसान के रहने के लिए बिल्कुल सही नहीं है, कई बार नोटिस जारी करने के बाद भी इन परिवारों ने जगह को खाली करने के बारे में कोई ध्यान नहीं दिया। ऐसी परिस्थिति में यह ऐक्शन जरूरी था।'

सिद्दारमैया ने कहा, 'इस मामले पर ग्रेटर बेंगलुरू अथॉरिटी के आयुक्त से बात की गई है। विस्थापित लोगों के खाने, रहने और अन्य जरूरतों का ध्यान रखने को कहा गया है।'

विजयन को आड़े हाथों लेते हुए सिद्धारमैया ने कहा, 'बुलडोजर न्याय और अवैध अतिक्रमणों को कानूनी रूप से हटाने में बुनियादी अंतर है। विजयन द्वारा की जा रही आलोचना राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उनमें तथ्यात्मक कमी को दर्शाती है।

केरल सीएम को सबसे पहले डिप्टी सीएम शिवकुमार ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'केरल मुख्यमंत्री जो कुछ कर रहे हैं, वह केवल राजनीतिक बयान बाजी है। तथ्यों को जाने बिना पिनरई विजनय को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यह सब चुनावी समय की राजनीतिक चालें हैं।'

ओडिशा में MLA की वेतन 3 गुना करने का प्रस्ताव पास

- BJP विधायकों का लेने से इनकार

ओडिशा में कुछ हफ्ते पहले ही मांझी सरकार ने विधायकों की वेतन को तीन गुना बढ़ाने के चार विधेयकों को विधानसभा से पास करवाया था। यह विधेयक राज्यपाल के पास मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब खबर है कि भाजपा सरकार इन विधेयकों को वापस ले सकती है। दरअसल, सरकार के इस फैसले के बाद पूरे राज्य में इसका विरोध हो रहा है, ऐसे में भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी को पत्र लिखकर इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटनाक्रम की जानकारी संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग ने दी। पार्टी मुख्यालय में भाजपा विधायकों के संग बैठक करने के बाद उन्होंने कहा, 'हाल ही में राज्य विधानसभा में विधायकों और अन्य पदाधिकारियों के वेतन और भत्तों में बढ़ोत्तरी से जुड़े चार विधेयकों पर चर्चा हुई। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सभी भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर वेतन वृद्धि के इस फैसले पर फिर से सोचने का आग्रह किया है।

भाजपा के अंदरूनी सूत्र के अनुसार, विधायकों को यह ज्ञापन देने के लिए कहा गया था क्योंकि वेतन वृद्धि के समय और इसको इतने बड़े स्तर तक बढ़ाए जाने को लेकर जनता में नाराजगी देखी जा रही थी। इसके अलावा भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने भी इस पर असंतोष जताया था।

एक भाजपा नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि वेतन वृद्धि करते समय यह तर्क दिया गया था कि 2018 के बाद से इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लेकिन इसे तीन गुना बढ़ा देना और देश में सबसे ज्यादा कर देना सही नहीं है। भाजपा सरकार को सत्ता में आए अभी केवल 2 साल हुए हैं, ऐसे में सरकार को अन्य कई मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। इस फैसले से जनता के बीच में सरकार की छवि पर असर पड़ रहा था।

पुलिसवाले को मारा थप्पड़, हिरासत में लिया गया हुमायूं कबीर का बेटा

कोलकाता. बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने को लेकर सुर्खियों में आए हुमायूं कबीर के बेटे को कोलकाता में हिरासत लिया गया है। हुमायूं कबीर के बेटे गुलाम नबी आजाद पर अपने पिता की हिरासत में तैनात एक पुलिसवाले को थप्पड़ मारने का आरोप है। गौरतलब है कि जनता उन्नयन पार्टी के चेयरपरसन हुमायूं कबीर पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। हुमायूं कबीर भरतपुर से टीएमसी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। हालांकि मस्जिद की नींव डालने के बाद उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। कबीर की सुरक्षा में तैनात पुलिस कांस्टेबल ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आजाद पर पुलिसवाले को मारने और गाली देने का आरोप है। कांस्टेबल की शिकायत के बाद पुलिस ने आजाद के घर पहुंचकर कुछ देर तक पूछताछ की।

RSS वाले बयान पर दिग्विजय सिंह को थरूर का समर्थन

नई दिल्ली. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इन दिनों संघ और भाजपा के संगठन पर दिए बयान के बाद चर्चा में बने हुए हैं। कांग्रेस पार्टी में ही कई लोग उनके इस बयान पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि इसी बीच केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने साथी के समर्थन में आगे आए हैं। थरूर ने कहा कि किसी भी पार्टी में अनुशासन जरूरी होता है। इस मामले में कांग्रेस का इतिहास 140 साल पीछे जाता है, हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

थरूर ने कहा, 'हमारी पार्टी का 140 साल पुराना इतिहास है। हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। किसी भी पार्टी में अनुशासन बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। मैं भी चाहता हूं कि हमारा संगठन मजबूत हो, हमारे संगठन में अनुशासन होना चाहिए, दिग्विजय सिंह इस मामले में खुलकर अपनी बात कह सकते हैं।' थरूर ने अपनी बात को आगे रखते हुए कहा कि कांग्रेस में सभी का लक्ष्य अपने संगठन को मजबूत करना ही होना चाहिए।

कांग्रेस के भीतर सुधार की जरूरत पर बयान देकर विवादों में आए मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के तर्क का थरूर ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कांग्रेस को पार्टी को आतंरिक अनुशासन और संगठन की मजबूती पर ध्यान देना चाहिए। मीडिया से बात कर रहे थरूर से जब पूछा गया कि क्या इस मामले में उन्होंने दिग्विजय सिंह से बात की है। इस पर उन्होंने कहा कि उनके बीच बातचीत होना स्वाभाविक है। थरूर ने कहा, 'हम दोस्त हैं और बातचीत होती रहती है। संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई विवाद वाली बात नहीं है और न ही कोई सवाल है।'

संक्षेप...

टेंपो से प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त

ठाणे. ठाणे शहर में एक टेंपो से 6.48 लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे शहर पुलिस के 'जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ' की टीम ने 23 दिसंबर की रात कलवा में खारीगांव-मुंब्रा टोल नाका मार्ग पर गश्त के दौरान यह प्रतिबंधित सामान जब्त किया।

उन्होंने बताया कि टेंपो चालक सफीउद्दीन बदरुद्दीन खान (26) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 223, 274, 123 (जहर आदि के माध्यम से चोट पहुंचाना) समेत संबंधित प्रावधानों और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल ने 6.48 लाख रुपये मूल्य के तंबाकू उत्पाद जब्त किए और टेंपो को भी जब्त कर लिया।

भिवंडी के मेयर की कुर्सी किसको होगी नसीब?

- राजनीतिक दलों में शुरू हुई आंकड़ों की चर्चा

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव का शंखनाद बजते ही तमाम राजनैतिक दलों ने नगरसेवक जीत के साथ साथ भिवंडी शहर का प्रथम नागरिक महापौर पद पर भी निगाहें गड़ा कर युति के इच्छुक संभावित दलों से चर्चा शुरू कर दी है.

2002 में हुए पहली बार भिवंडी मनपा चुनाव में कांग्रेस पूर्व सांसद सुरेश टावरे को भिवंडी शहर का प्रथम नागरिक महापौर होने का गौरव हासिल हुआ था. भिवंडी मनपा के 2 बार कांग्रेस पार्टी से मेयर चुने गए जावेद दलवी सहित कोणार्क विकास आघाड़ी प्रमुख पूर्व महापौर विलास आर पाटिल और पूर्व महापौर प्रतिभा विलास पाटिल मनपा चुनाव जीतकर मनपा महापौर बनने को लालायित हैं.शहर का प्रथम नागरिक महापौर होने का सपना पालने वाले अन्य दमदार प्रत्याशी भी चुनाव जीतने के बाद महापौर कुर्सी का गणित बिठाते घूम रहे हैं.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा का आम चुनाव 15 जनवरी एवं मतगणना 16 जनवरी को है.भिवंडी मनपा 2002 में अस्तित्व में आई थी.मनपा अस्तित्व में आने के उपरांत लोकतंत्र की मजबूती के लिए पांचवीं बार मनपा चुनाव सम्पन्न होने जा रहा है.अपरिहार्य कारणों को लेकर करीब 3 वर्षों तक मनपा चुनाव समूचे प्रदेश में टल जाने से शासन द्वारा भिवंडी मनपा में प्रशासक नियुक्त कर कामकाज चलाया गया. प्रबुद्ध नागरिकों का आरोप है कि,मनपा प्रशासक राज में शहर विकास की गति बेहद धीमी हुई बावजूद भ्रष्टाचार की वजह से लोगों की गाढ़ी कमाई का चुकाया गया टैक्स का पैसा भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों ने डकार कर मनपा तिजोरी को कंगाल कर दिया है. चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, मनपा चुनाव नामांकन प्रक्रिया 23 से 30 तक और नामांकन पत्रों की जांच सहित नामांकन पत्र वापसी के साथ ही 2 जनवरी को चुनाव चिन्ह का आवंटन चुनाव निर्णय अधिकारी द्वारा किया जाएगा.सूत्रों की माने तो पूर्व कांग्रेसी मेयर जावेद दलवी कांग्रेस पार्टी को टाटा, बाय बाय बोलकर भिवंडी विकास आघाड़ी से करीब दर्जन भर प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारकर मेयर बनने की कसरत में जुटे हैं.भिवंडी में पूर्व मेयर दलवी का खासा दबदबा है और वे उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खासमखास माने जाते हैं.राजनीतिक जानकारों की माने तो, पूर्व महापौर दलवी को चुनाव में शिवसेना भरपूर सहयोग कर महापौर बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है.महापौर पद के दूसरे प्रबल दावेदार कोणार्क विकास आघाड़ी से 2 बार मेयर का चुनाव बेहद जादुई तरीके से जीतने वाले पूर्व महापौर विलास आर पाटिल भी पूरी ताकत झोंक कर तीसरी बार भी शहरवासियों को चौंका सकने में सक्षम हैं.भिवंडी में अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने प्रत्याशियों को लेकर पूरी तरह अपने पत्ते नहीं खोलकर संशय फैला रखा है. भाजपा,सेना मिलकर 40 से अधिक संभावित प्रत्याशियों का इंटरव्यू कर चुकी है.सूत्रों की माने तो अन्य राजनीतिक दलों की अपेक्षा कांग्रेस और समाजवादी पार्टी करीब 55-60 सीटों पर चुनाव लड़ाने की तैयारी में जुटी हुई है.सपा और कांग्रेस दोनों राजनीतिक दलों के शीर्ष नेता भिवंडी शहर का प्रथम नागरिक मनपा का पांचवां महापौर बनाने के लिए अभी ही अन्य दलों से गुफ्तगू शुरू कर चुके है.सपा मुखिया अबू आसिम आजमी भी मनपा में महापौर बनाने का कई बार ऐलान कर चुके हैं.आगामी 3-4 दिनों में दलों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी.कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में मनपा टिकट मांगने वालों की लंबी फेहरिस्त है.राष्ट्रवादी पार्टी अजीत पवार गट भी करीब 20 सीटों पर चुनाव लड़ाने की कसरत कर रही है.एमआईएम, उबाटा,मनसे आदि भी चुनाव व्यूह रचना में जुटी हैं.शहरवासियों की निगाहें क्षेत्रीय नगरसेवकों की जीत के साथ ही शहर का प्रथम नागरिक का गौरव हासिल करने वाले भिवंडी के नए महापौर होने वाले प्रत्याशी पर भी टिकी हैं.

बदलापुर में 7 दिन के बच्चे को 6 लाख में बेचने की कोशिश

- पांच गिरफ्तार

बदलापुर. पुलिस ने एक मानव तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है और पांच लोगों को गिरफ्तार किया है जो 7 दिन के बच्चे को 6 लाख रुपये में बेचने की कोशिश कर रहे थे, अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया। जानकारी मिलने पर, शहर की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल ने बदलापुर पश्चिम इलाके के एक होटल के पास जाल बिछाया। एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने यह पक्का करने के लिए एक नकली खरीदार का इस्तेमाल किया कि एक ग्रुप सच में एक नवजात बच्चे को बेचने की कोशिश कर रहा था।

उन्होंने बताया कि गैंग को टोकन मनी के तौर पर यूपीआई के ज़रिए 20,000 रुपये दिए गए थे, और बाकी 5.8 लाख रुपये कैश में दिए जाने थे। नकली ग्राहक से अलर्ट मिलने के बाद, पुलिस टीम मौके पर पहुंची और डील के लिए आए सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36), जिसने कैश लिया था, रेशमा शहाबुद्दीन शेख (35), जिसके पास बच्चा था, इगतपुरी के एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35), और मुंबई के मानखुर्द में रहने वाले एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि एक छठा साथी, जिसकी पहचान सबीना के रूप में हुई है, फरार है और पुलिस उसे ढूंढने की कोशिश कर रही है। बदलापुर (पश्चिम) पुलिस स्टेशन के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'गैंग ने नवजात बच्चे को 6 लाख रुपये में बेचने की साजिश रची थी। हमें शक है कि यह एक बहुत बड़े स्कैम का हिस्सा है जिसमें निःसंतान दंपतियों को बच्चों का अपहरण और बिक्री शामिल है। हम जैविक मां की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।' बच्चे को एक स्पेशल केयर होम में भेज दिया गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या अस्पतालों या नर्सिंग होम का कोई बड़ा नेटवर्क तस्करों को नवजात बच्चे सप्लाई करने में शामिल है, उन्होंने आगे कहा।

मनपा चुनाव - ठाणे नगर पुलिस का बड़ा रूट मार्च

- 75 अधिकारियों ने हिस्सा लिया
- नागरिकों को आदर्श आचार संहिता का संदेश

ठाणे. मनपा सार्वजनिक चुनाव में सुरक्षा की दृष्टि से पूरे शहर में राजनीतिक गतिविधियां तेज़ हो गई हैं।वही पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयार है। इसी सिलसिले में नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए ठाणे नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर एक बड़ा रूट मार्च निकाला गया।ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के आदेश पर शाम 4.45 बजे ठाणे नगर पुलिस स्टेशन से रूट मार्च शुरू हुआ। रूट मार्च गोल्ड सिनेमा, माटे चौक अशोक टॉकीज, दत्त मंदिर, सिडको बस स्टॉप, ठाणे कॉलेज, दादोजी कोंडदेव स्टेडियम, महागिरी, हवा मंजिल, पुलिस स्कूल, खारकर अली, महाजनवाड़ी हॉल, जांभाली नाका, कोपनेश्वर मंदिर, A-1 फर्नीचर से होते हुए शाम 5.45 बजे ठाणे नगर पुलिस स्टेशन पर खत्म हुआ।इस रूट मार्च में नौपाड़ा सहायक पुलिस आयुक्त संभाजी जाधव,वरिस्ठ पुलिस निरीक्षक भरत चौधरी, पुलिस निरीक्षक प्रताप भोसले, पुलिस निरीक्षक द्वारका डोके के साथ RCP प्लाटून के 1+10 ऑफिसर, SRPF प्लाटून के 1+15 अधिकारी और ठाणे नगर पुलिस स्टेशन के 8 अधिकारी शामिल हुए।

इस रूट मार्च में कुल 10 अधिकारी और 75 पुलिस मौजूद थे।रूट मार्च के दौरान, नागरिकों को आदर्श आचार संहिता, चुनाव अवधि के नियमों और कानून व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई। इस माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पुलिस प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निडर और पारदर्शी माहौल में हो। रूट मार्च से इलाके में पुलिस की मौजूदगी को लेकर भरोसे का माहौल बना है और नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

ब्रेन-डेड महिला दे गई छह लोगों को नई जिंदगी

ठाणे. ठाणे में एक 38 साल की ब्रेन-डेड महिला छह लोगों को नई जिंदगी दे गई। उनके अंग मुंबई, गुरुग्राम सहित अलग-अलग अंगों की जरूरत वाले छह मरीजों को दिए गए। यह महिला 19 दिसंबर को एक मेडिकल इमरजेंसी का शिकार हुई थी।

इसके बाद ठाणे शहर के श्री महावीर जैन अस्पताल ने उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया गया। परिवार ने जरूरी अंग दान करने का फैसला लिया। डॉक्टरों ने अंग दान के लिए उनके दिल, फेफड़े, पैंक्रियाज और दूसरे अंग निकाले। इसके बाद एक ग्रीन कॉरिडोर बना इन अंगों को मुंबई के चार अस्पतालों और गुरुग्राम के एक अस्पताल में मरीजों के लिए पहुंचाया गया।

कल्याण-डोंबिवली में युति को लेकर शिवसेना-भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

कल्याण. निकाय चुनाव में शिवसेना–भाजपा युति (गठबंधन) को लेकर वरिष्ठ स्तर पर चर्चाएँ जारी हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर इस युति के खिलाफ तीव्र विरोध देखने को मिल रहा है। भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने युति न हो, इसके लिए खुलकर अपनी भूमिका रखते हुए कार्यकर्ताओं की भावनाएं किया है और आरोप लगाया कि, शिवसेना ने कभी-भी भारतीय जनता पार्टी की मदद नहीं की।

उन्होंने यह चेतावनी भी दी है कि युति होने के बावजूद कार्यकर्ता युति के साथ काम नहीं करेंगे, और मनपा चुनावों में मैत्रीपूर्ण मुकाबले की अनुमति दी जाए, ऐसी मांग की है। नरेंद्र पवार के इस बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। उनके इस बयान से शिवसेना आक्रामक हो गई है और जिला प्रमुख अरविंद मोरे ने पवार पर कड़ी आलोचना की है। मां दुर्गा भवानी नरेंद्र पवार की इच्छा पूरी करें, ऐसी व्यंग्यात्मक प्रार्थना करते हुए मोरे ने पवार के अतीत की भूमिका की याद दिलाई। अरविंद मोरे ने बताया कि नरेंद्र पवार ने पहले विधानसभा चुनाव में शिवसेना उम्मीदवार के खिलाफ बगावत की थी। उस समय पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित किया था, लेकिन कुछ ही दिनों में उन्हें फिर से पार्टी में शामिल कर लिया गया। मोरे ने यह भी स्पष्ट किया कि हमारे पैनल में अधिक नगरसेवक शिवसेना के होते हुए भी भाजपा को उम्मीदवारी दिए जाने से हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं में भी बगावत की भावना है, लेकिन यह बगावत को शांत करना वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी है। इस पृष्ठभूमि में कल्याण–डोंबिवली में शिवसेना और भाजपा के बीच आंतरिक विवाद खुलकर सामने आ गया है। एक ओर वरिष्ठ स्तर पर युति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की नाराज़गी, आरोप-प्रत्यारोप और बगावती भाषा के कारण युति टूटेगी या टिकेगी, इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। आने वाले स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में यह विवाद किस दिशा में जाता है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

भिवंडी माहेश्वरी समाज द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का भव्य सम्मान

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. माहेश्वरी समाज भिवंडी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ. समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज के बुजुर्गों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और उनके अनुभवों से नई पीढ़ी को जोड़ना था. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और महेश वंदना के साथ हुई. समाज के युवाओं और पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं और तिलक लगाकर वरिष्ठों का आत्मीय स्वागत किया. इस दौरान समाज के विकास में योगदान देने वाले प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मनोरंजन के साथ-साथ भजनों और पुराने गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा वातावरण आनंदमय हो गया.

अतिथियों के रूप में महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन गांधी, कोंकण विभाग दिनेश सोमानी, कल्याण माहेश्वरी, ठाणे जिलाध्यक्ष महेश सोनी, सचिव प्रशांत तोषनीवाल, अविनाश सिकची, राजू भाई, भिवंडी अध्यक्ष ओमप्रकाश भूतडा, सचिव कन्हैयालाल पेडीवाल, सांस्कृतिक मंत्री कन्हैयालाल ईनाणी, मंडल पदाधिकारी अजय झंवर, जुगल किशोर बियाणी, श्रीविष्णु धूत, कमल राठी एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे.

वरिष्ठ जन हुए आनंदित

वरिष्ठों द्वारा साझा किए अनुभव की सबसे खास बात यह रही कि बुजुर्गों ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया. सम्मान पाकर वरिष्ठ नागरिकों के चेहरों पर एक अलग ही मुस्कान और संतोष देखा गया. बुजुर्गों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से उन्हें अकेलेपन का अहसास नहीं होता और वे खुद को समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करते हैं. समाज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की, जिसकी प्रशंसा पूरे भिवंडी माहेश्वरी समाज में हो रही है. मंच संचालन नवल करवा एवं वर्षा डागा ने किया.

67 हजार से ज़्यादा वोटर्स के नाम के आगे का स्टार मार्क हटाया जाएगा

ठाणे. मनपा आम चुनावों के बैकग्राउंड में, ठाणे मनपा ने वोटर लिस्ट को वेरिफाई करके पोटेंशियल रिपीट वोटर्स का पूरा वेरिफिकेशन पूरा कर लिया है। इस प्रोसेस में कुल 83,645 पोटेंशियल रिपीट वोटर्स की जांच की गई। वोटर लिस्ट के वेरिफिकेशन में 67071 वोटर्स के नाम और फोटो एक-दूसरे से मैच नहीं कर रहे हैं। यानी ये वोटर्स 'रिपीट वोटर्स' नहीं हैं। इसलिए, इन वोटर्स के नाम के आगे का स्टार मार्क हटा दिया जाएगा। इससे ये वोटर्स बिना किसी रुकावट के अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल कर पाएंगे उपायुक्त व चुनाव अधिकारी उमेश बिरारी ने यह जानकारी दी।इस बीच यह साफ हो गया है कि 16,574 वोटर्स जिनके नाम और फोटो वोटर लिस्ट में पूरी तरह से एक जैसे हैं, वे असल में रिपीट वोटर्स हैं। ऐसे मतदाताओं के नाम के आगे स्टार (**) चिन्ह रखा जाएगा और उक्त मतदाताओं के नाम पर मतदाता सूची में 'डुप्लीकेट मतदाता' की मुहर लगाई जाएगी। ऐसे मतदाता मतदान केंद्र पर निर्धारित प्रारूप में एक वचनपत्र लिखकर मतदान कर सकते हैं।

सलमान खान के बर्थडे पर फैंस को तोहफा

- बैटल ऑफ गलवान' का टीजर रिलीज
- आर्मी यूनिफॉर्म वाले लुक में बेहद गंभीर दिखे भाईजान

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया। उनकी मचअवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर रिलीज हो गया, जिसमें सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म गलवान घाटी की भारत-चीन झड़प पर बनी है, जो हमारी सेना के बहादुरी की कहानी दिखाएगी। सलमान एक सिपाही का रोल कर रहे हैं। इसमें एक्शन, इमोशन और देशभक्ति भरपूर है। छोटा टीजर देखकर ही फिल्म का इंतजार बढ़ गया है।

टीजर में सलमान खान का आर्मी यूनिफॉर्म वाला लुक बेहद गंभीर और पावरफुल लग रहा है। गहरे बैकग्राउंड म्यूजिक और कड़क डायलॉग्स से शुरू होने वाला यह छोटा टीजर दिल को छू गया। 1 मिनट 12 सेकंड के टीजर की शुरुआत सलमान के दमदार वॉइसओवर से होती है, जो लद्दाख की गलवान घाटियों के खूबसूरत नजारे दिखाता है। सलमान बोलते हैं, 'जवानों, याद रहे... जख्म लगे तो मेडल समझना, और मौत दिखे तो सलाम करना।'

फिर वो चिल्लाते हैं - **बिरसा मुंडा, बजरंगबली, भारत माता की जय!**

टीजर में सलमान आर्मी ऑफिसर बनकर कमाल करते हैं। कनपटी से खून बहता हुआ, आंखों में गुस्सा और हाथ में सादा सा डंडा थामे उनका अंदाज दमदार है। पीछे भारतीय जवान भी सिर्फ लाठियां लिए डटे हैं। सामने चीनी सैनिक दौड़ते आते हैं। सिर्फ सलमान ही दिखते हैं - अंत में बोलते हैं, 'मौत से क्या डरना, उसे तो आना है!'

अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत-चीन के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है। यह हमारी सेना के जज्बे, साहस और बलिदान की कहानी बताएगी। सलमान एक भारतीय सैनिक बनकर देशभक्ति का तड़का लगाएंगे। एक्शन और इमोशन से भरपूर यह फिल्म उम्मीदें बढ़ा रही है।

कीर्ति करंडक 2025–26 राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में SST महाविद्यालय को दोहरा खिताब

उल्हासनगर. कीर्ति करंडक 2025–26 राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में एस.एस.टी. महाविद्यालय, उल्हासनगर ने पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में विजेता बनकर दोहरा खिताब अपने नाम किया। दोनों टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से महाविद्यालय की खेल उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से महिला टीम के प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। महिला टीम ने लगातार छठी बार विजेता बनकर अपनी वर्चस्वपूर्ण परंपरा को कायम रखा। टीम के खिलाड़ियों के तकनीकी कौशल, गति, फुर्ती और अनुशासित रणनीति का प्रभावी संगम इस जीत में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने मुकाबलों के दौरान बेहतरीन तालमेल, मजबूत रक्षा और आक्रामक खेल के दम पर प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। इस ऐतिहासिक जीत से महाविद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल बन गया।

प्रतियोगिता के उत्कृष्ट खिलाड़ी : सागर मोहोंडकर, अभय रत्नाकर, निकिता शिंगोळे. इन खिलाड़ियों ने सटीक रणनीति, तेज दौड़ और प्रभावी डाइव के माध्यम से दर्शकों की विशेष प्रशंसा अर्जित की तथा टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य, क्रीड़ा विभाग, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने टीम को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। टीम को प्रशिक्षक प्रताप शेलार, क्रीड़ा संचालक प्रा. राहुल अकुल तथा सहायक क्रीड़ा संचालक प्रा. पुष्कर पवार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि से एस.एस.टी. महाविद्यालय ने राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिताओं में अपनी सशक्त पहचान एक बार फिर स्थापित की है।

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is **VINOD RAGUBAR SINGH** to New Name **VINOD SINGH.** So All Public now call me **VINOD SINGH.**

आम सूचना

मैं श्री गणेश अरुण कांबली सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, आरके इंडस्ट्रीज के पास, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 41सीआय009282800) उक्त प्रॉपर्टी श्री अरुण वसंत कांबले के नाम पर है उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 27.12.2025 सी.नं. 196 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री गणेश अरुण कांबली

आम सूचना

मैं श्री परसराम चूहरमल दुसेजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि यू.नं. 122,123 और 124, शीट नं. 29, बैरक नं. 1190 के पास, एरिया 1151 चौ.फुट, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 30सीओ005521300) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिलीप चूहरमल दुसेजा व श्री अनिल चूहरमल दुसेजा के नाम पर है उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 25.12.2025 सी.नं. 270/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री परसराम चूहरमल दुसेजा

आम सूचना

मैं श्री परसराम चूहरमल दुसेजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि यू.नं. 121 और 120, शीट नं. 29, बैरक नं. 1189 के पास, एरिया 2234 चौ.फुट, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 30सीओ005521200) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिलीप चूहरमल दुसेजा व श्री अनिल चूहरमल दुसेजा के नाम पर है उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 25.12.2025 सी.नं. 271/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री परसराम चूहरमल दुसेजा

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099